कर्करोग के संबंध मे आवश्यक जानकारी

कर्करोग के संबंध के मायने?

कर्करोग वह रोग है जो शरीर के किसी भी हिस्से को प्रभावित कर सकता है । शरीर के हिस्से को बधिंर करने वाले रोग को सर्वथा कॅन्सर या कर्करोग की संज्ञा दि जा सकती है ।

कर्करोग मे असाधारण पेशी की वृध्दी तीव्र गती से हो जाती है । वह शरीर मे एक दुसरे से जुडे अंग पर होकर कर्करोग की बाधा पहुँचाती है। कॅन्सर से शरीर को हानी होती है, उसी की गाँठ अथवा टयूमर बनता है। केवल रक्त कॅन्सर में रक्तस्त्राव बढने से पेशी मे वृध्दी वह भी नियंत्रित रुप से योग्य पध्दती से प्रतिबंधित होती है।

कॅन्सर का वर्गीकरण-

कुल पाँच समूहों मे कर्करोग को वर्गीकृत किया जाता है।

1. कार्सीनोमा- शरीर के किसी भी अंग पर आक्रमण होता है, स्तन, फेंफडे अथवा आतडियों का कॅन्सर
2. सारकोमा- इस वर्ग मे हड्डियाँ, चरबी जोडनेवाली नलियाँ, वसा, मासपेशियाँ मे पायी जानवेाली कॅन्सर पेशी
3. लिम्फोमा- इस प्रकार के कॅन्सर कॅन्सरपेशी या रक्तस्त्राव ग्रंथी या प्रतिकारशक्ती निर्माण करनेवाली रेगों मे होता है।
4. ल्युकेमिया- इस वर्ग मे अस्थिमज्जा बढने लगता है तथापि रक्तस्त्राव होकर सर्वत्र जमा होता है।
5. ॲडनोमा - इस वर्ग मे थायरॉईड ग्रंथी पिच्युटरी ग्रंथी, ॲड्रिनल ग्रंथी एवं अन्य ग्रंथीयोंमे दिखाई देती है।

कॅन्सर के कारण -

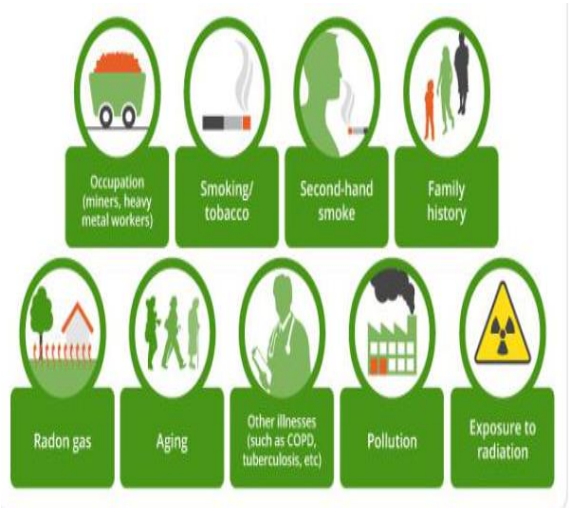

- व्यवसायी (खदान , धातु संबधित व्यवसाय)
- धुम्रपान/ तंबाखु सेवन
- धुम्रपान कर छोडे गए धुए से
- आनुवंशिक या पिछली पिढी मे कॅन्सर हुआ हो तो
- प्रदुषण
- नैसर्गिक किरणोवाली गॅस का रिसाव
- अन्य रोग (श्वासनलिका/फेंफडे के रोग /क्षयरोग)
- किरणोवाले पदार्थो सें संपर्क

लक्षण-

लक्षण स्थान के अनुरुप बदलते है...

- स्तनों मे परिवर्तन जैसे आकार, छोटा बडा होना, स्तन त्वचा का रंग परिवर्तन , स्तन अग्र रंग परिवर्तन
- त्वचा सक्त होना अथवा गठान जमना
- मलविसर्जन की आदत मे परिवर्तन
- तकलीफदायक अथवा वेदनापूर्ण मूत्रविसर्जन
- बेवजह शरीर का वजन कम जादा होना
- पेट दर्द

- अप्राकृतिक रक्तस्त्राव, मूत्र मे रक्त, योनी से रक्त, शौच मे रक्त
- कमजोरी एवं थकावट लगना

इलाज

कॅन्सर का इलाज उसके प्रकार पर अवलंबित रहता है। वैसे ही उसका स्तर , उम्र, प्रकृती एवं व्यक्तिगत विशेषताओ पर अवलंबित रहता है। कॅन्सर के लिए केवल एक ही इलाज नही, विभिन्न प्रकार के इलाज किए जाते है, तथापि रोग की तीव्रता कम की जाती है।

शस्त्रक्रिया- यह सबसे पुरानी पध्दती है। एक अंग से दुसरे अंग मे संक्रमित न हुआ हो तो यह सर्वोत्तम पध्दती है। रोगी मुक्त होता है, जैसे स्तन ग्रंथी या अवयव को निकाल देने से यह ठीक होता है।

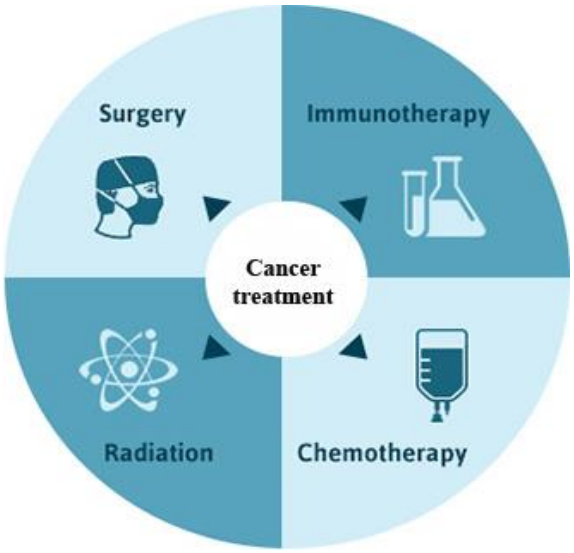

तीव्र किरण उपचार- तीव्र किरण से कॅन्सर पेशी पुर्णरुपसे नष्ट होती है।उच्च क्षमता की तीव्र किरण कॅन्सर पेशी पर छोडी जाती है।

केमोथेरपी- इस प्रक्रिया मे ऐसे रसायनों का प्रयोग किया जाता हैजिसमे मांस पेशिंयो को विभाजित कर प्रोटीन या DNA को इलाज के माध्यम से कॅन्सर पेशी को समाप्त किया जाता है।

इम्युनोथेरपी- इस प्रवर्ग मे शरीर की प्रतिकार शक्ति बढाई जाती है, जिससे कॅन्सर पेशियों को बडा संघर्ष करना पडता है।

कॅन्सरसंबधी वस्तुथिती (Facts)

- विश्व मे मृत्यु का सबसे बडा कारण है ।
- विश्व आरोग्य संघटन की संस्था (WHO) के अनुसार अगले बीस वर्षो में कॅन्सर रोगीयों की संख्या 70 टक्के से बढेंगी।
- अमेरिकन कॅन्सर सोसायटी के अनुसार विश्व मे मृत्यु का दुसरे क्रमांक का कारण है, प्रत्येक 4 मे 1 मृत्यु कॅन्सर से होती है।
- कॅन्सर का धोखा टालने केलिए तंबाखू सेवन बंद करना चाहिए , मद्यपान कम करना चाहिए, अल्ट्रा व्हायलेट किरणों के संपर्क मे ना आए, पोषक आहार ले, स्वस्थ रहे, नियमित जाँच स्वास्थ जाँच कराएं।
- पुरुषो मे फेंफडे बडी आंत, जठर, यकृत, गुदा रीढहडड्री का कॅन्सर होने की संभावना अधिक रहती है।
- महिलाओं मे स्तन, रीढहडड्री, बडी आंत, फेंफडे गर्भाशयद्वार अथवा जठर इन अवयवोंमे कॅन्सर होने की संभावना अधिक रहती है।

Reference:
Micromedex's care notes systems online 2.0
National cancer institute
World health organisation